VISION IAS

www.visionias.in

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 2211)

Name of Candidate	Sukh Ram		
Medium Eng./Hindi	Hindi	Registration Number	370763
Center	Jaipur	Date	26/06/2022

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1	10	
2	10	
3	10	
4	10	
5	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	10	
10	10	
11	15	
12	15	
13	15	
14	15	
15	15	
16	15	
17	15	
18	15	
19	15	
20	15	

Total Marks Obtained:

Remarks:

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWENTY** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
   इसमें बीस प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

VisionIAS

16-B, 2nd Floor, Above National Trust Building, Bada Bazar Marg, Old Rajinder Nagar, Delhi-110060

Plot No. 857, 1st Floor, Banda Bahadur Marg (Opp Punjab & Sindh Bank), Dr. Mukherjee Nagar Delhi- 110009

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VisionIAS

VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. The Cholas are inextricably linked with the zenith of Dravidian art and architecture. Comment. **(150 words) 10**

चोल द्रविड़ कला और स्थापत्य की पराकाष्ठा से अनन्य रूप से संबद्ध हैं। टिप्पणी कीजिए।

दक्षिण भारत के वर्तमान के आंध्र- तमिल क्षेत्रों में चोल शासन स्थापित था जिसमें कला व स्थापत्य ने काफी विकास किया।

चोल: द्रविड़ कला और स्थापत्य

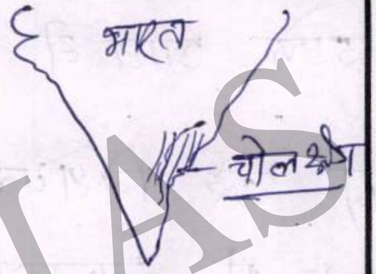

(i) द्रविड़ कला व स्थापत्य में गोपुरम की उपस्थिति

(ii) पंचायतन शैली का प्रयोग

(iii) मंदिरों में जलकुण्ड

(iv) सर्वोच्च शिखर के नीचे गोपुरम

(v) बेहतरीन नक्काशी

ये सभी विशेषताएँ चोलकालीन कला और स्थापत्य में हमें दिखाई पड़ती है।

इसके मुख्य उदाहरणों में —

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(i) राजराजेश्वर मंदिर

(ii) बृहदेश्वर मंदिर

जिन्हें चोल राजाओं राजेन्द्र-I व राजराज-II ने बनवाया।

इसके साथ ही द्रविड़ कला व स्थापत्य की कई विशेषताओं यथा गोपुरम, प्रदक्षिणा पथ की सामान्यतः अनुपस्थिति आदि भी विद्यमान है।

अतः चोल कला व स्थापत्य द्रविड़ कला व स्थापत्य से अनन्य रूप से संबंद्ध है।

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. Among the major legacies of the Indian freedom movement, civil liberties formed an important one. Analyse. **(150 words) 10**

भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की प्रमुख विरासतों में, नागरिक स्वतंत्रता ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। विश्लेषण कीजिए।

भारतीय स्वाधीनता संग्राम कई चरणों यथा नरमपंथी → गरमपंथी → गांधीवादी चरण मे संपन्न हुआ। लगभग प्रत्येक चरण मे नागरिक स्वतंत्रता की मुखर अभिव्यक्ति होती रही थी –

(i) नरमपंथी चरण (1885-1905) मे

(a) दादा भाई नौरोजी, S.N. बनर्जी आदि के अपने स्तर पर नागरिक स्वतंत्रता की अभिव्यक्ति रास्त गोफ्तार व बंगाली पत्रिका में थी।

(ii) <u>गरमपंथी चरण</u> में

(a) तिलक ने मराठा, केसरी के माध्यम से, सावरकर बंधुओं व महावीर प्रसाद द्विवेदी ने 'सरस्वती' पत्रिका के माध्यम से

(b) 1920s में असहयोग आंदोलन में

(c) 1928 की नेहरू रिपोर्ट में
– मूल अधिकारों की बात थी

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(d) 1933 - INC कराची अधिवेशन- पटेल की अध्यक्षता में - मौलिक अधिकारों की मांग

(e) 1930s के अंत में सुभाष बोस व J.L. नेहरू ने नागरिक स्वतंत्रता के प्रति खुलकर अभिव्यक्ति की।

इसके अलावा कुछ समाजवादी चिंतकों यथा जयप्रकाश नारायण, लोहिया जी ने पक्षधरता की।

इस प्रकार 1885 - 1940s तक आंदोलन की प्रमुख विरासतों में नागरिक स्वतंत्रता ने महत्व भूमिका निभाई जिससे यह जनांदोलन बन सका एवं स्वतंत्रता की सिद्धि हुई।

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. The Berlin Conference of 1884-85 in many ways set the ground for the scramble in Africa. Elucidate. **(150 words) 10**

1884-85 के बर्लिन सम्मेलन ने विभिन्न प्रकार से अफ्रीका में विभाजन का आधार तैयार किया। स्पष्ट कीजिए।

विश्व इतिहास के समझौतों में बर्लिन समझौता (सम्मेलन) -1884-85 एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है जिसने अफ्रीका में विभाजन का आधार तैयार किया —

पृष्ठभूमि -

विश्व औपनिवेशीकरण की प्रक्रिया में ब्रिटेन, पुर्तगालियों, फ्रांसीसियों द्वारा अफ्रीका में विभिन्न कोलोनी बनाई गई एवं वे वस्तुत: शोषण, दमनपरक नीतियों से ही शासित होती थी।

VisionIAS

इस परिप्रेक्ष्य में -

(i) औपनिवेशिक शक्तियों में संघर्ष
(ii) आपसी तनाव आदि के चलते

अफ्रीका का बर्लिन सम्मेलन में विभाजन सुनिश्चित किया -

(a) सीमाएँ बेहद सीधी - सपाट रेखा के रूप में रेखांकित की गई।

(b) सीमाओं के रेखांकन में पर्याप्त सूझ-बूझ का परिचय परिचय नहीं दिया गया क्योंकि नृजातीयता के विभाजन का ध्यान नहीं रखा गया।

इस प्रकार बर्लिन सम्मेलन का अफ्रीका के विभाजन में व्यापक महत्व है।

Vision IAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. What is a cloudburst and what are its effects? Why are they more frequent in the Himalayan region? **(150 words) 10**
बादल फटना क्या है और इसके क्या प्रभाव हैं? हिमालयी क्षेत्र में इनकी आवृत्ति अधिक क्यों है?

'बादल फटना' से आशय बहुत कम समय में एक साथ अधिक वर्षा होने से है।

यह एक भू- जलवायविक - मौसमी परिघटना है जिसके बहुआयामी प्रभाव है -

(i) हिमालयी नदियों में जल का आधिक्य
(ii) नदियों का बाढ़ में रूपांतरण
(iii) तटबंधों, बांधों, जल भरण अवसंरचनाओं का विखण्डन।
(iv) जल विद्युत प्रोजेक्ट का धाराशायी हो जाना।

विश्व मौसम विज्ञान संगठन की 'द स्टेट ऑफ क्लाइमेट सर्विस' रिपोर्ट के अनुसार भारत का हिमालय क्षेत्र विगत दशक में 'बादल फटना' के प्रति 20% अधिक उन्मुख हुआ है।

Vision IAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

आवृत्ति अधिक होने के कारण

(a) ग्लोबल वार्मिंग का बढ़ना।
(b) वार्मिंग बढ़ने से वाष्पीकरण में वृद्धि
(c) मानवजनित असंधारणीय कार्य
(d) तापमान में सतत वृद्धि।
(e) जलवायु परिवर्तन - NCPOR ने तो इसे प्रमुख कारण माना है

हालिया हिन्दुकुश हिमालय आकलन रिपोर्ट संकेत करती है कि भावी दशक में 'बादल फटना' आवृत्ति में वृद्धि होगी। इसलिए हमें संधारणीय, पर्यावरण अनुकूल प्रयास के साथ मानव-प्रकृति साहचर्य की जीवन शैली व प्रत्यास्थ अवसंरचना अपनानी होगी।

VisionIAS

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. Despite its potential, there are several challenges in the implementation of the Ken-Betwa Link Project. Discuss. **(150 words) 10**

केन-बेतवा लिंक परियोजना की क्षमता के बावजूद, इसके कार्यान्वयन में अनेक चुनौतियां विद्यमान हैं। चर्चा कीजिए।

भारत नदी - जोड़ो परियोजना की मुख्य परियोजना केन - बेतवा लिंक परियोजना उत्तर-प्रदेश - मध्यप्रदेश के शुष्क क्षेत्र में क्रांतिकारी साबित हो सकती है

क्षमता -

(a) यह जलापूर्ति, कृषि सिंचाई को बढ़ाएगी
(b) इससे सकल बोया गया क्षेत्र में वृद्धि होगी।
(c) इससे खाद्य सुरक्षा, गरीबी, अकाल, सूखा (GSI - 68% भारतीय क्षेत्र प्रभावित) आदि के प्रत्यास्थता।
(d) कृषि आय ↑, जीवन स्तर में वृद्धि व मानव विकास ↑।

चुनौतियाँ

(i) विशाल पारिस्थितिकी क्षेत्र का जलमग्न हो जाना।
(ii) पारिस्थितिकीय प्रवाह में कमी

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(iii) स्थानीय आबादी का विकासजनित विस्थापन → प्रभाव → गरीबी ↑ जिसे वर्जिनियस खाख्सा समिति ने भी उठाया था

(iv) विकास बनाम पर्यावरण द्वन्द्व।

(v) लाभ-लागत संबंधी मुद्दा।

हालांकि सरकार ने

→ विस्थापितों के लिए बेहतर अवसर सृजित कर रही है।

→ पारिस्थितिकी संतुलन के लिए प्रयासरत

→ नेशनल इंटरलिंकिंग रिवर अथॉरिटी (NIRA) की स्थापना।

अतः इसे पारिस्थितिकीय संतुलन, समायोजन, समन्वयकारिता व संधारणीयता के मद्देनज़र प्रभावी बनाने के प्रयास होने चाहिए।

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. Identify the issues related to production and supply of coal in India. How can these issues be addressed? **(150 words) 10**

भारत में कोयले के उत्पादन और आपूर्ति से संबंधित मुद्दों की पहचान कीजिए। इन मुद्दों का समाधान किस प्रकार किया जा सकता है?

भारत कोयला मंत्रालय के अनुसार विश्व का 5th सबसे बड़ा कोयला उत्पादक देश है व विश्व का 4th सबसे बड़ा भंडार है।

इसके अलावा.

(i) भारत कोकिंग कोल का आयात करता है
(ii) अपनी जरूरत के आयातित कोल का मौद्रिक मूल्य लगभग 30,000 करोड़ है

भारत में उत्पादन से संबंधित मुद्दे —

(a) कोयला ब्लॉक आवंटन में चुनौतियाँ
(b) कोयला का अधिक सतही खनन जो प्रदूषण का कारण बनता है
(c) रेट होल खनन
(d) कुशल श्रमिकों व मशीनरी का अभाव
(e) पर्याप्त पूँजी निवेश का अभाव।
(f) कोल गत नीतियों, कानूनों, न्यायालयी आदेशों में अस्थिरता।

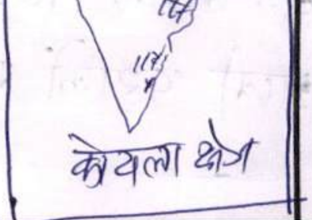

आपूर्ति मुद्दे —

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(a) पर्याप्त, संधारणीय, एफोर्डेबल परिवहन का अभाव।
(b) हिंटरलैंड क्षेत्र में इंफ्रास्ट्रक्चर का अभाव
(c) मांग-आपूर्ति में असंतुलन
(d) राज्यों में समन्वयभागिता के अभाव

समाधान

(अ) पर्याप्त संसाधन, भौतिक-मशीनी-इंफ्रास्ट्रक्चर की व्यवस्था।
(ब) कोल निगरानी - खनन, आपूर्ति का डिजिटलाइजेशन
Eg: App आदि
(स) केन्द्र-राज्य, राज्य-राज्य के मध्य अधिकतम सहभागिता व सहभागिता
(द) विद्युत निर्माण कंपनियों - कॉल खदानों में लिंकेज मजबूत हो

अतः a भारत के समृद्ध, खुशहाल, विकसित होने के लिए बिजली अनिवार्य है और इसके लिए भावी दशकों तक कोल अपरिहार्य है।

VisionIAS

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

7. Present the geographical distribution of agro-based industries in India and discuss the challenges faced by them. **(150 words) 10**

भारत में कृषि-आधारित उद्योगों के भौगोलिक वितरण को प्रस्तुत कीजिए और उनके समक्ष आने वाली चुनौतियों की विवेचना कीजिए।

आर्थिक सर्वेक्षण (2021-22) के अनुसार भारत में कृषि-आधारित उद्योग ग्रामीण श्रमबल को 10-11% रोजगार प्रदान करने में सक्षम है।

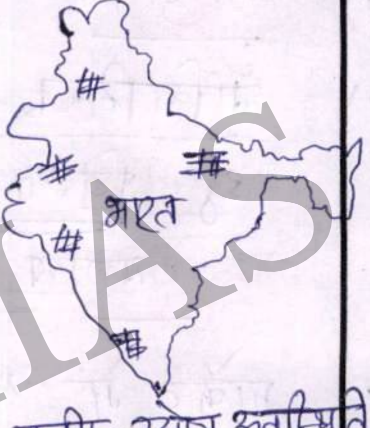

कृषि-उद्योग अवस्थिति

(i) उत्तर भारत - UP, बिहार व दक्षिण भारत में गन्ना आधारित उद्योग।

(ii) महाराष्ट्र - गुजरात में कपास आधारित उद्योग

(iii) पूर्वोत्तर, हिमाचल व नीलगिरी क्षेत्र में चाय आधारित उद्योग

(iv) कर्नाटक - केरल में कॉफी - मसाला, ड्राई फ्रूट्स आधारित उद्योग।

(v) महाराष्ट्र, बिहार (जर्दालू आम) व प. बंगाल में आम आधारित उद्योग।

(vi) जूट आधारित उद्योग विशेषत: प. बंगाल में।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

चुनौतियाँ -

(a) बेकवर्ड - फॉरवर्ड लिंकेज की अनुपस्थिति।
(b) पर्याप्त पूंजीगत वस्तुओं का अभाव
(c) अति प्राचीन मशीनरी
(d) अकुशल, अकर्मण्य श्रमशक्ति
(e) लॉजिस्टिक लागत का अधिक होना
eg. विश्व बैंक - भारत में लॉजिस्टिक लागत GDP का 14-15% है।
(f) मार्केट में अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा

हालांकि सरकार ने
(i) वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट को प्रारंभ किया
(ii) पर्याप्त सब्सिडी की व्यवस्था
(iii) इंफ्रा के लिए नेशनल इंफ्रा पाइपलाईन

वस्तुत: रोजगार गहन क्षेत्रों पर बल देकर भारत SDGs लक्ष्यों के साथ बेरोजगारी, गरीबी, कृषि अनुपयुक्तता से उबर सकता है।

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. The caste system continues to be one of the key drivers of poverty and inequality in India. Discuss. **(150 words) 10**

जाति व्यवस्था भारत में निर्धनता और असमानता के प्रमुख चालकों में से एक बनी हुई है। विवेचना कीजिए।

विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार भारत में जाति व्यवस्था निर्धनता व असमानता को बढ़ाती है।

(i) विश्व के 24% गरीब भारत में
(ii) भारत की 21.9% ~~गरीब~~ जनता गरीब है
(सुरेश तेंदुलकर रिपोर्ट)
(iii) आदिवासी आबादी का 46% गरीब
(वर्जिनियस - जाक्सा समिति)

इसके मूल में जाति व्यवस्था -

(i) ऑक्सफेम के अनुसार भारत में उर्ध्वाधर के साथ-साथ क्षैतिज असमानता भी है

(ii) जातिगत भेदभाव से
(a) दलितों को कुक न रखना
(b) दलित डिलीवरी बॉय (जॉमेटो के boy) से खाद्यान न लेना।
(c) ग्रामीण स्तर पर दलित को सब्जी ठेला, दुकान, आइसक्रीम न बेचने देना।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(d) दलितों, आदिवासियों को कॉर्पोरेट वर्ल्ड में उच्च पदों पर न रखना।

(e) जातिगत भेदभाव के लोगों का बेरोजगार रहना जो अन्तत: गरीबी व असमानता को जन्म देती है।

<u>इसके लिए</u>

<u>संवैधानिक प्रतिबद्धताएँ</u> – अनुच्छेद-14, 17, 19 (व्यवसाय की स्वतंत्रता), 46 (DPSP), 338A (आयोग) आदि के प्रावधान

<u>वैधानिक प्रविधानों में</u> – SC, ST अत्याचार निवारण अधिनियम 1989, राज्य सरकारों के कानून आदि

अत: एक सभ्य, खुशहाल, स्वस्थ, समावेशी भारत के लिए जातीय भेदभाव के कलंक को दूर कर हमें मिलकर गरीबी, असमानता से लड़ना होगा तभी भारत वास्तविक अर्थों में आत्मनिर्भर, समृद्ध बन पाएगा।

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. Discuss the issues faced by domestic workers in India. Also suggest measures that can be taken to empower them. **(150 words) 10**
भारत में घरेलू कामगारों द्वारा सामना की जाने वाली समस्याओं की विवेचना कीजिए। साथ ही, उन्हें सशक्त बनाने हेतु किये जा सकने वाले उपायों का भी सुझाव दीजिए।

अन्तर्राष्ट्रीय श्रम आयोग (ILO) की रिपोर्ट के अनुसार भारत में घरेलू कामगारों का कार्यों में योगदान (शहरों में) 74% है वहीं महिला घरेलू वर्कर अपने समय का 78% घरेलू कार्यों में खपाती है।

सामना की जाने वाली समस्याएँ

(a) बेहद कम वेतन।
(b) उनका बहुआयामी शोषण।
(c) कोई सामाजिक सुरक्षा नहीं।
(d) कुपोषण, गरीबी से ग्रस्त
(e) चोरी के आरोप
(f) कोई वैधानिक प्रविधान का समर्थन नहीं।
(g) कई बार हिंसा - आर्थिक - मानसिक - भावनात्मक के शिकार
(h) कौशल का अभाव

सशक्त बनाने के लिए

(i) सर्वप्रथम सशक्त, समावेशी विधीय

VisionIAS

समर्थन हो।

(ii) रोजगार की सुनिश्चितता के लिए पार्टटाइम प्रशिक्षण हो।

(iii) e- श्रम पोर्टल पर विशेष लाभगत योजना से लाभ मिले।

(iv) उनका डिजिटलीकरण हो।

(v) उनके लिए 'न्यूनतम मजदूरी' का प्रविधान हो।

(vi) सामाजिक सुरक्षा के लिए - PM जीवन ज्योति, अटल पेंशन, श्रमयोगी मानधन के बारे मे जागरूकता फैलाई जाये।

अत: घरेलू कामगार को सशक्त बनाकर भारत SDG-1 - गरीबी उन्मूलन, SDG-2 - कुपोषण, भुखमरी सहित कई SDGs को प्राप्त करने में सक्षम हो सकता है।

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. Given the deeply gendered impact of population control measures, examine the need to rethink the current approach of population control measures in India. **(150 words) 10**

जनसंख्या नियंत्रण संबंधी उपायों के गहन लैंगिक प्रभाव को देखते हुए, भारत में जनसंख्या नियंत्रण उपायों के वर्तमान दृष्टिकोण पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता का परीक्षण कीजिए।

जनगणना 2011 के अनुसार भारत की जनसंख्या 1.21 बिलियन है जिसके 2050 तक 1.61 बिलियन हो जाने का अनुमान है

हालिया UN की वर्ल्ड स्टेट ऑफ पॉपुलेशन रिपोर्ट ने इंगित किया है कि भारत की जनसंख्या 1.35 बिलियन को पार कर चुकी है

भारत में वर्तमान जनसंख्या दृष्टिकोण -

(i) राष्ट्रीय जनसंख्या नीति 2000
(a) जनसंख्या स्थिरीकरण फंड
(b) 2045 तक जनसंख्या स्थिर हो जाएगी।

(ii) आर्थिक सर्वेक्षण 2016-17 ने कहा कि 2040 तक भारत की जनसंख्या स्थिर होनी प्रारंभ होगी।

(iii) सरकार जनसंख्या नियंत्रण के स्वैच्छिकता पर बल दे रही है

पुनर्विचार की आवश्यकता।

→ NITI आयोग के अनुसार पिछले 75 वर्षों

VisionIAS

में क्षेत्रफल में 0% इजाफा वहीं जनसंख्या में चार गुना वृद्धि।

→ विश्व की 18% जनसंख्या भारत में वहीं विश्व का मात्र 2.4% भूक्षेत्र व 4% जल।

इसीलिए हमें संतुलित जनसंख्या नीति पर बल देना होगा क्योंकि

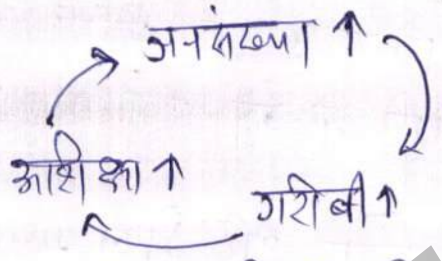

इस दुष्चक्र को तोड़ने के लिए -

(a) केन्द्र-राज्य नीतियों में समन्वय हो।
(b) लोगों में अधिकतम जागरूकता
(c) कुछ ठोस उपाय - eg. गुजरात स्थानीय चुनावों में

अतः जनसंख्या की तीव्र वृद्धि से सरकार के अधिकतम प्रयास जनता को न्यूनतम जीवन स्तर भी उपलब्ध नहीं करा पा रहे। इसीलिए दृष्टिकोण पर पुनर्विचार होना चाहिए।

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. Examine the impact of the Sramana tradition on the Vedic religion and its relation with the emergence of Jainism, Buddhism and Ajivika sects.

(250 words) 15

श्रमण परंपरा के वैदिक धर्म पर प्रभाव और जैन, बौद्ध तथा आजीवक संप्रदायों के उद्भव के साथ इसके संबंध का परीक्षण कीजिए।

भारतीय धार्मिक इतिहास में षड् दर्शन को आस्तिक व जैन, बौद्ध व चार्वाक को नास्तिक कहा गया है।

श्रमण परम्परा प्राचीन भारत की विशिष्ट परम्परा है जो ईसा पूर्व अस्तित्व में आई व इसने वैदिक धर्म को प्रभावित किया -

श्रमण परम्परा का वैदिक धर्म पर प्रभाव -

(i) वैदिक धर्म में लोग स्वयं के सुख, समृद्धि, बच्चों, स्वास्थ्य, संपत्ति के लिए देव-पूजा करते थे।

(ii) वैदिक धर्म में समानता को मूल्य के रूप में स्थापित किया गया।

(iii) वैदिक धर्म की सामाजिक संरचना पर श्रमण परम्परा का अभीष्ट प्रभाव है।

VisionIAS

बौद्ध धर्म - महात्मा बुद्ध द्वारा स्थापित जो-

(i) वर्ण व्यवस्था, जाति व्यवस्था की घोर निंदा करता है।

(ii) अपरिग्रह, ब्रह्मचर्य, आत्मसंयम पर बल देता है।

वहीं जैन धर्म - महावीर द्वारा स्थापित जो आगे श्वेताम्बर व दिगम्बर (भद्रबाहु) में विभाजित।

(i) इसने 'अहिंसा' की स्थापना की

(ii) इन्द्रिय संयम पर बल दिया।

आजीवक संप्रदाय- मक्खलि गोशाल संस्थापक

(i) घोर नियतिवादी

(ii) कर्म का कोई महत्व नहीं

(iii) ~~वाक~~ बाराबर की पहाड़ियों में निवास

(iv) बिन्दुसार इसका अनुयायी था।

(v) अशोक ने भी एक शिलालेख में आजीवकों का उल्लेख किया।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

श्रमण परम्परा : बौद्ध, जैन, आजीवक

वस्तुत: इन सबकी उत्पत्ति ईसा पूर्व में हुई और जन पर व्यापक प्रभाव डाला।
इसके साथ ही एक-दूसरे को भी प्रभावित किया।
→ जैन धर्म का अहिंसा सिद्धांत लगभग सभी में समादृत है
→ बौद्ध धर्म का मध्यम मार्ग
→ आजीवकों का नियतिवाद भी वैदिक धर्म में दिखता है

इस प्रकार समृद्ध प्राचीन भारतीय धार्मिक इतिहास में एक-दूसरे को प्रभावित किया।

VisionIAS

12. Shed light on the use of symbols and symbolic language by Mahatma Gandhi for both, integrating masses into the National Movement and against social evils. **(250 words) 15**

महात्मा गांधी द्वारा राष्ट्रीय आंदोलन में जनता को लामबद्ध करने हेतु और सामाजिक बुराइयों के विरुद्ध, दोनों के लिए किए गए प्रतीकों और प्रतीकात्मक भाषा के उपयोग पर प्रकाश डालिए।

महात्मा गांधी का भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में आगमन गांधीवादी चरण कहलाता है।

जिससे: (i) आंदोलन का जनाधार बढ़ा
(ii) लोकप्रियता व स्वीकार्यता बढ़ी
(iii) आन्दोलन समावेशी हो गया।

गांधी जी ने जनता को लामबद्ध करने व सामाजिक बुराइयों के विरुद्ध प्रतीक व प्रतीकात्मक भाषा -

(i) जनता को 'अहिंसा' का पाठ सिखाया क्योंकि गरमपंथी राजनीति में हिंसा की स्वीकृति थी।
'अहिंसा' एक प्रतीक के रूप में जो आंदोलन को ब्रिटिशर्स द्वारा दबा देने को रोकता था।

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(ii) 'सत्याग्रह' एक प्रतीक के रूप में कि सत्य का आग्रह भारतीय जनमानस करें।

(iii) 'असहयोग' - एक प्रतीक के रूप में कि ब्रिटिशर्स को रोकने के लिए जनता इसका पालन करें।

(iv) जनता को लामबद्ध करने के लिए 'सविनय अवज्ञा' को प्रतीक के रूप में जो ब्रिटिशर्स को चुनौती देनी हो।

इसी प्रकार 'करो या मरो' जनता को तीव्र जोश से परिपूरित करने में।

सामाजिक बुराईयों -

→ जातीय भेदभाव - अस्पृश्यता - गांधी जी इसे हिन्दू समाज पर एक कलंक मानते थे।

→ दलितों पर अत्याचार - हरिजन सेवक संघ, हरिजन पत्रिका में प्रतीकात्मक भाषा के रूप में

VisionIAS

इसके अलावा अपने सामाजिक-समरसता कार्यों - रचनात्मक कार्यों, सांप्रदायिकता की जगह वैचारिक-धार्मिक सहिष्णुता जैसे - असहयोग आंदोलन में आदि के माध्यम से प्रतीकात्मक भाषा के रूप में सामाजिक कुरीतियों का विरोध किया।

गांधी जी आजीवन अपना शौच स्वयं साफ कर प्रतीक व प्रतीकात्मक भाषा में सामाजिक समानता का संदेश दिया।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

13. Giving a brief overview of the three Carnatic Wars, discuss the factors that led to the success of the British against the French in the struggle for control over India. **(250 words) 15**

तीन कर्नाटक युद्धों का संक्षिप्त विवरण देते हुए, उन कारकों पर चर्चा कीजिए जिनके कारण भारत पर नियंत्रण के लिए संघर्ष में फ्रांसीसियों के विरुद्ध अंग्रेजों को सफलता प्राप्त हुई।

कर्नाटक युद्ध भारतीय आधुनिक इतिहास में अंग्रेज- फ्रांसीसी संघर्ष में विशिष्ट स्थान रखते थे

(i) प्रथम कर्नाटक युद्ध - 1740s में
यूरोप में फ्रांस - अंग्रेजी प्रतिद्वंदिता कारण के रूप में

(ii) द्वितीय कर्नाटक युद्ध (1754)
घरेलू कारण

(iii) तृतीय कर्नाटक युद्ध (1756-1763)
यह फ्रांस- अंग्रेजों के सप्तवर्षीय युद्ध का ही एक रूप था।

अंग्रेजों की सफलता व फ्रांसीसियों की विफलता के कई कारण उल्लेखित किए जा सकते है -

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(i) अंग्रेजी कंपनी का स्वरूप निजी था वहीं फ्रांसीसी सार्वजनिक कंपनी थी।

(ii) सार्वजनिक कंपनी के कारण फ्रांसीसी EIC को स्वायत्तता, शक्ति अत्यल्प थी।

(iii) अंग्रेजी EIC के पास कुशल नवसेना शक्ति थी जो फ्रांसीसियों के पास नहीं थी।

(iv) अंग्रेजी EIC के पास कुशल, अत्याधुनिक हथियार थे।

(v) अंग्रेजी EIC का भारत में पुराना अनुभव भी था।

(vi) फ्रांसीसी EIC में कुशल नेतृत्व की कमी थी।

(vii) फ्रांसीसी गवर्नर डुप्ले की यूरोप वापसी

(viii) नए गवर्नर लाली की अदूरदर्शिता पूर्ण नीतियाँ।

VisionIAS

(ix) फ्रांसीसियों के पास बेहतर रणनीति का अभाव था।

(x) ब्रिटिश EIC के पास विशाल साम्राज्य, संसाधन व सैन्य क्षमता भी थी जो फ्रांसीसी EIC के पास नहीं थी।

(xi) ब्रिटिश EIC मुख्यतः व्यापारिक गतिविधियों में संलग्नता के कारण आर्थिक रूप से ज्यादा समृद्ध थी।

इन्हीं कारणों से ब्रिटिश EIC ने फ्रांसीसियों की संभावनाओं, इच्छाओं को चकनाचूर कर दिया एवं भारत में 1947 तक बिना किसी यूरोपीय विरोध के शासन करती रही।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

14. Provide an account of the issues that led to a crisis in Punjab in the 1980s. Also, discuss the roadmap to peace that was eventually adopted.

(250 words) 15

1980 के दशक में पंजाब में संकट उत्पन्न करने वाले मुद्दों का विवरण प्रस्तुत कीजिए। साथ ही, शांति स्थापना की उस रूपरेखा पर चर्चा कीजिए जिसे अंततः अपनाया गया था।

पंजाब एक अन्तर्राष्ट्रीय सीमा साझा करने वाला भारतीय राज्य है।

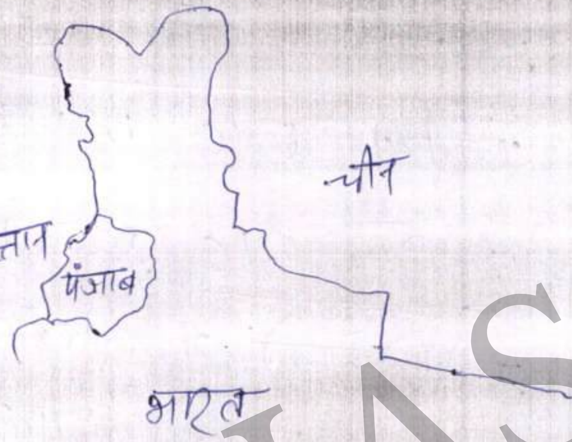

पंजाब में 1980 के दशक में संकट उत्पन्न करने वाले कई कारक चिन्हित किए जा सकते हैं -

(i) धार्मिक कारक - खालिस्तान समर्थकों की आतंकी, बेअदबी की नीतियाँ

(ii) राजनीतिक कारण - दुश्मन देश पाक से सीमा लगने के कारण आतंक गतिविधियों की पंजाब में बढ़ती प्रवृत्ति।

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(iii) धार्मिक- वैचारिक असहिष्णुता की नीति जिसने सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ दिया।

(iv) पाक की 'अस्थिर भारत' की नीति

(v) स्थानीय सांप्रदायिक घटनाएँ जिन्होंने धर्म विशेष के प्रति नफरत, घृणा व क्रूरता फैलाई।

अतः इन कारकों से पंजाब में संकट उत्पन्न हुआ।

शांति स्थापना की रूपरेखा

(i) प्रारंभिक प्रयासों में - प्रशासन - राज्य स्तरीय प्रयास किए गए।

(ii) फिर केन्द्रीय हस्तक्षेप किया जिसमें - सेना (थल सेना) का प्रवेश।

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(iii) अन्ततः 1984 में '<u>ऑपरेशन ब्लू स्टार</u>' द्वारा अमृतसर स्वर्ण मंदिर में हिंसा

इन प्रयासों के साथ शांति, समन्वय, सहिष्णुता के भरसक प्रयत्न किए गए लेकिन हिंसा किसी न किसी रूप में अनवरत बनी रही।

इससे कनाडा आदि देशों में भारत विरोधी रणनीतियाँ स्थापित हो गई जिन्होंने हिंसा की संभावना को हमेशा के लिए एक चुनौती बना दिया।

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

15. Give a brief account of the distribution of installed capacity of solar power in India. Highlighting the challenges in proper utilisation of solar energy, mention the steps taken by the government to promote it in India. **(250words) 15**

भारत में सौर ऊर्जा की संस्थापित क्षमता के वितरण का संक्षिप्त विवरण दीजिए। सौर ऊर्जा के उचित उपयोग में विद्यमान चुनौतियों को रेखांकित करते हुए, भारत में इसे बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का उल्लेख कीजिए।

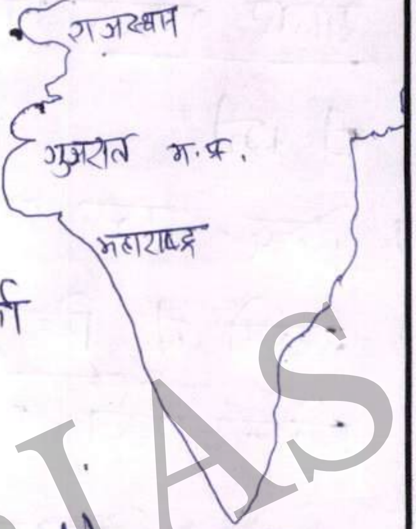

भारत में, नवीन व नवीकरणीय मंत्रालय के अनुसार विश्व की 4th सबसे बड़ी सौर ऊर्जा संस्थापित क्षमता है।

* भारत INDC (Paris Agreement) भारत के तहत 2030 तक 500 GW नवीकरणीय ऊर्जा स्थापित करेगा।

→ पूर्व के लक्ष्य 175 GW में 100 GW केवल सौर ऊर्जा स्थापित क्षमता थी।

इसके अलावा 'अन्तर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन' के अनुसार भारत में सौर ऊर्जा लागत प्रति यूनिट 2.36 ₹ थी।

विद्यमान चुनौतियाँ

(i) भारत 8 सौर मॉड्यूल व सौर सेल का

VisionIAS

80% आयात करता है चीन से जो हमारी 'ऊर्जा संप्रभुता' के लिए खतरा है।

(ii) सोलर वेफर्स निर्माण के लिए पूंजी, प्रौद्योगिकी की कमी।

(iii) केन्द्र - राज्य सहयोग - समन्वय में अभाव।

(iv) राज्यों की विद्युत सब्सिडी सौर ऊर्जा को हतोत्साहित करती है।

(v) भूमि अधिग्रहण - पर्यावरणीय अनुमोदन में विसंगतियाँ।

(vi) कुशल कार्यबल का अभाव

(vii) पर्याप्त इंफ्रास्ट्रक्चर का अभाव

(viii) लोगों में जागरूकता का अभाव

(IX) रात में सौर ऊर्जा का निष्क्रिय होना।

सरकार के कदम

(A) सौर ऊर्जा मिशन

(B) राष्ट्रीय सौर ऊर्जा नीति

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(C) रूफटॉफ प्रोजेक्ट

(D) Green-Agri-वोल्टेज कार्यक्रम

(E) सौर सैल-मॉड्यूल निर्माण के लिए प्रोडक्शन लिंक्ड इन्सेंटिव स्कीम (PLI)

(F) सौर उपकरणों के आयात पर सीमा शुल्क में बढ़ोतरी।

आगे के उपाय

हमें इस दिशा में पर्याप्त पूंजी, तकनीक, कुशल श्रम, वृहद स्तरीय उत्पादकता आदि पर बल देना होगा।

अतः सौर ऊर्जा Sure, Pure, Secure है इसलिए गुजरात के कच्छ, म० प्र० के रीवा में वृहद्तर, फ्लोटिंग सोलर पार्क स्थापित किए गए है जिनका प्रसार हो ताकि हम SDG-6- स्वच्छ-वहनीय ऊर्जा व 2030 तक जरूरत का 50% नवीकरणीय ऊर्जा (व ~~मीथेन~~ पंचामृत) के लक्ष्य को प्राप्त कर सके।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

16. Post-drift theories based on ocean floor mapping provided new dimensions to the study of distribution of oceans and continents. Elaborate.

(250 words) 15

महासागरीय-अधस्तल के मानचित्रण पर आधारित उत्तरवर्ती प्रवाह सिद्धांत ने महासागरों और महाद्वीपों के वितरण के अध्ययन को नए आयाम प्रदान किए हैं। सविस्तार वर्णन कीजिए।

महासागरीय अधस्तल एक विविधता भरा क्षेत्र होता है जिसमें समुद्री पर्वत, Guyots, पठार, ट्रेंचेज आदि उपस्थित होते हैं।

महासागरीय अधस्तल के मानचित्रण के लिए वैश्विक स्तर पर प्रयास -

(i) जापान - आस्ट्रेलिया के सहयोग से महासागरीय अधस्तल का मानचित्रण

(ii) भारत का समुन्द्रयान मिशन जो 'मत्स्य पनडुब्बी' से तीन लोगों का समूह समुद्र अधस्तल के अध्ययन चित्रण के लिए जाएगा।

इसके अलावा अन्य देशों ने अपने स्तर पर प्रयास किए हैं एवं जारी भी है

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

~~इस~~ मानचित्रण पर आधारित प्रवाह सिद्धांतो का प्रभाव -

(a) महासागरीय अधस्तल का आधुि प्रभावी ढंग से मानचित्रण हुआ।

(b) नए-नए भू-भौतिकीय स्थितियों का पता चला है।

(c) गहरी जलीय प्रवाल को समझने में मदद मिली है।

(d) महासागरों व महाद्वीपों के वितरण में पहले की धारणाओं - वेगनर सिद्धांत, समुद्र तल विस्तार सिद्धांत, संवहन धारा सिद्धांत में नए आयाम मिलने की संभावना पैदा हुई है।

(e) इसके अलावा वेगनर सिद्धांत की कुछ व्याख्याओं के अप्रामाणिक होने का भी ज्ञात हुआ है।

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

इस प्रकार मानचित्रण पश्चात नए सिद्धांतों से भूगोल की अवधारणाओं में नई दिशा व आयाम हमें दिखाई देने लगे थे।

अतः नए सिद्धांतों ने परिवर्तनीय दृष्टि का परिचय देकर हमारी अवधारणा को तोड़, समृद्ध भी किया है।

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

17. Explain the phenomenon of heat waves. Also, enumerate the conditions favourable for the development of heat waves in India and their associated health impacts. **(250 words) 15**

हीट वेव्स की परिघटना की व्याख्या कीजिए। साथ ही, भारत में हीट वेव्स के विकास के लिए अनुकूल परिस्थितियों और उनसे संबद्ध स्वास्थ्य प्रभावों को सूचीबद्ध कीजिए।

'जर्मन वॉच' की जलवायु सुभेद्यता सूचकांक के अनुसार भारत में 'हीट वेव्स' एक 'हिडन डिजास्टर' के रूप में उभर रही है जिससे भारत की 70-75% आबादी प्रभावित होगी।

→ 'हीट वेव्स' से आशय अत्यधिक गर्म हवा का क्षैतिजत: प्रवाहित होना है।

→ भारतीय मौसम विज्ञान संगठन ने हीट वेव्स के लिए मानदण्ड जारी किए है -

(i) पहाड़ी - पर्वतीय क्षेत्रों में 30°C से अधिक तापमान

(ii) समतल - धरातलीय - मैदानी क्षेत्रों में 40°C से अधिक तापमान

(iii) कई क्षेत्रों में 45°C तापमान 'गंभीर हीट वेव्स' का संकेत है।

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

'भारत में हीट वेव्स' – कारण

(i) भारत उष्ण-उपोष्ण कटिबंधीय जलवायु में स्थित है

(ii) भारत में ग्रीष्म ऋतु में औसत तापमान से अधिक तापमान।

(iii) ग्लोबल वार्मिंग की बढ़ती प्रवृत्ति।

(iv) जलवायु परिवर्तन का प्रभाव

(v) परिवहन-उद्योग प्रदूषण विशेषतः
CO, CO_2, ब्लैक कार्बन का निष्कासन

(vi) मानव जनित अंधाधुंध प्रकृति का दोहन

(vii) असंधारणीय विकास गतिविधियाँ

(viii) पारिस्थितिकीय संरक्षण के प्रति जागरूकता का अभाव।

→ संबंद्ध स्वास्थ्य प्रभाव

(a) हीट स्ट्रोक की आवृत्ति में वृद्धि

(b) लू लगना

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(c) डिहाइड्रेशन की स्थिति

(d) सिर दर्द, हैजा, सहित श्वसन रोगों में वृद्धि।

(e) शारीरिक संतुलन बिगड़ सकता है।

(f) मानसिक विकास, मानसिक संतुलन बाधित होगा।

(g) मानवीय श्रमशक्ति की उत्पादकता कम होगी।

अतः भारत को प्रत्यास्थ, संधारणीय बनाने के लिए हमें हीट वेव्स के प्रभाव को न्यून करने के लिए अथक प्रयत्न करने होंगे।

VisionIAS

18. Providing an account of distribution of rainforests across the world, mention their key characteristics. Also highlight the threats that are being faced by tropical rainforests. **(250 words) 15**

विश्व भर में वर्षावनों के वितरण का विवरण प्रस्तुत करते हुए, उनकी प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। साथ ही, उष्णकटिबंधीय वर्षावनों द्वारा सामना किए जा रहे खतरों को भी रेखांकित कीजिए।

विश्व: 'वर्षा वनों का वितरण'

वर्षा वनों की प्रमुख विशेषताएँ

(i) ये धरातल के 6-7% भाग पर विस्तृत है

(ii) इन्हें पृथ्वी के 'ऑक्सीजन आपूर्तिकर्ता' की संज्ञा दी जाती है

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(iii) ये सदाबहार प्रकृति के होते है।

(iv) इनकी लकड़ी का सामान्यत: कोई खास आर्थिक महत्व नहीं होता विशेषत: फर्नीचर निर्माण में।

(v) इनकी मृदा पोषक तत्वों से रहित होती है।

(vi) इनमें विश्व के मुख्य Hotspot विद्यमान है।

(vii) ये पर्यावरणीय विविधता (इक्वेडोर की नेशनल पार्क), पर्यावरणीय संतुलन व पारिस्थितिकीय समृद्धता की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

(viii) अमेजन वर्षा वन, पश्चिमी घाट वर्षा वन, कांगो (DRC) वर्षा वन उदाहरणीय है।

* सामना किए जाने वाले खतरे

(a) इनका अंधाधुंध दोहन।

(b) वनाग्नि की घटनाएँ

Eg. अमेजन वर्षा वनों में

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(c) असंधारणीय उपभोग

(d) स्थानांतरी (झूम कृषि) का प्रचलन

(e) जलवायु परिवर्तन के प्रजातियों का ह्रास

(f) ग्लोबल वार्मिंग से विविधता की हानि।

(g) कृषि - उद्योग के लिए वनों की कटाई।

(h) अन्तर्राष्ट्रीय सरकारों की ~~कि~~ निष्क्रियता

(i) वित्तीय संसाधनों के अभाव में समर्पित NGO की अप्रभाविता।

अत: मनुष्य पर्यावरण की कीमत पर अपने आयुष्मान होने की कल्पना नहीं कर सकता। इसीलिए हमें मिलकर वर्षा वनों का संरक्षण - संवर्द्धन करना होगा।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

19. Indian cities are not only mimicking the social and cultural structures of inequality and exclusion found in rural areas but are also creating fault lines for future conflicts. Discuss. **(250 words) 15**

भारतीय शहर न केवल ग्रामीण क्षेत्रों में पाई जाने वाली असमानता और बहिष्करण की सामाजिक और सांस्कृतिक संरचनाओं की नकल कर रहे हैं, बल्कि भविष्य के संघर्षों के लिए दोषपूर्ण स्थिति का भी निर्माण कर रहे हैं। विवेचना कीजिए।

UN हैबिटेट के 'न्यू अर्बन एजेंडा' के अनुसार भारत में 2030 तक आबादी का 40.7% शहरों में निवासित होगी।

इस परिप्रेक्ष्य में ग्रामीण-शहरी परिवेश में द्वन्द्व, असमानता, विषमता बेहद महत्वपूर्ण परिवर्तन कर सकती है।

* Oxfam की रिपोर्ट व विश्व बैंक की रिपोर्ट ग्रामीण असमानता व बहिष्करण (जातीय संदर्भ) को अवनति का कारक बता चुकी है।

यह दृश्य शहरों के संदर्भ में

→ भारतीय शहरों में जातीय भेदभाव महसूस किया जाता रहा है।

→ कुछ जातियों को किराए पर घर न मिल पाना।

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ शहर की 17% आबादी का झुग्गी बस्तियों में निवासित।

→ शहर के हर 5वें बच्चे का गरीब, अशिक्षित, कुपोषण, अल्पवजन का शिकार होना।

→ व्यवसायों में एकाधिकार जैसे तथाकथित उच्च जातियों का दबदबा।

→ निम्न, निकृष्ट, असामाजिक दकियानूसी सोच विशेषत: तथाकथित निम्न वर्ग के प्रति।

शहरों में उपरोक्त सामाजिक-सांस्कृतिक संरचना वस्तुत: भारतीय गाँवों में पाई जाती है लेकिन वर्तमान भारतीय शहर भी इससे ग्रसित है।

इसके प्रभाव -

(i) जातीय संघर्ष, सांस्कृतिक-धार्मिक संघर्ष शहरों में भी दिखाई दे रहे हैं। eg. कसोली, जोधपुर में सांप्रदायिक दंगे।

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(i) जातीय भेदभाव में दलित दूल्हें को घोड़ी चढ़ने के लिए रोकना।

(ii) शहर बंद, दंगे, घटनाएँ जो संघर्ष को बढ़ावा देती थी

वस्तुत: वैचारिक-धार्मिक सहिष्णुता, सद्भाव, समानता, आर्थिक समृद्धि, लोकाचार, सहकारिता की मिसाल बनने का प्रयत्न भारतीय शहरों को करना चाहिए।

हालिया ग्लोबल स्मार्ट सिटी इंडेक्स, जीरो वेस्ट मॉनीटर रिपोर्ट आदि में भारतीय शहरों की विद्रूपताएँ, विसंगतियाँ उजागर हुई थी

इसीलिए अधिकतम सहकारिता व समन्वयकारिता, सामाजिक सद्भाव का परिचय देकर एक आधुनिक, समरसतावादी सोच का परिचय भारतीय शहरों को देकर मिसाल पेश करनी चाहिए।

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

20. Examine the multi-dimensional impact of globalisation on tribal development in India. **(250 words) 15**
भारत में जनजातीय विकास पर वैश्वीकरण के बहुआयामी प्रभाव का परीक्षण कीजिए।

राष्ट्रीय जनगणना 2011 के अनुसार भारत में जनजातीय आबादी 11 करोड़ है जो कुल जनसंख्या का 8.5% है।

भारत में जनजातीय आबादी की स्थिति -

(a) सकल निर्धनता 46% (वर्जिनियस जाक्सा समिति रिपोर्ट)
(b) साक्षरता मात्र 40%
(c) भूमि स्वामित्व का अभाव।

इसी स्थिति के परिप्रेक्ष्य में वैश्वीकरण का प्रभाव -

(i) सामाजिक प्रभाव

सकारात्मक - → जनजातीय जागृति में वृद्धि
→ शोषण के विरुद्ध आवाज
eg. 'एकजुट संस्था'

नकारात्मक - → सामाजिकता का ह्रास
→ समाजीकरण का पतन

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(ii) सांस्कृतिक प्रभाव

सकारात्मक → वैश्विक पटल पर जनजातीय संस्कृति eg. मार्शल आर्ट्स की उपस्थिति।

नकारात्मक - मातृभाषाएँ पतन का शिकार हो रही है
- कुछ भाषाओं के प्रयोक्ता मात्र 1000 से भी कम है
→ आदिवासी संस्कृति का महत्व कम हो रहा है
→ आदिवासियों में पाश्चात्य संगीत, खानपान वेशभूषा का बढ़ता प्रभाव
→ लोक कलाओं की अवनति।

(iii) आर्थिक प्रभाव

+ve - रोजगार के अवसरों का सृजन
eg. केसबुक - GOAL पहल
- 'Tech for Tribe' पहल
→ आर्थिक सशक्तीकरण

-ve → असमानता में वृद्धि (oxfam)
→ आर्थिक शोषण में वृद्धि।

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(iv) राजनीतिक प्रभाव

+ve → आदिवासियों की राजनीतिक सक्रियता।
eg. द्रोपदी मुर्मू के राष्ट्रपति पद उम्मीदवार
- विभिन्न राज्यों में मंत्री (जनजातीय)
→ राष्ट्रीय स्वीकार्यता बढ़ी।

-ve - केवल कागजी समावेशन, कागजी सशक्तता दिखती थी
- कोई गंभीर प्रयास नहीं।

अतः, वैश्वीकरण की प्रक्रिया ने जनजातीय आबादी की वैचारिक, दृष्टिकोण को प्रभावित करने के साथ सशक्त भी किया तो हाशिए पर भी धकेला।

इसीलिए सरकार 'जनजातीय पंचशील' (नेहरू) के सिद्धांत पर आगे बढ़ते हुए आदिवासी उन्मुख, आदिवासी सहभागिता, सक्रियता पर बल देते हुए इनका समावेशी, बहुआयामी विकास करने की विशेष रणनीति ~~बनाई~~ आ बनाएँ।

VisionIAS